

कृ श्री सदगुरु देवाय नमः कृ ओऽम् कृ जय माता दी कृ
कृ सीताराम बाबा जी कृ जय बाबा की कृ श्याम बाबा कृ जय कृ
कृ ! जाके सुमिन तैं रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! कृ

कैद द उत्तराखण्ड भारत से विद्यापन यात्रा प्राप्त

उत्तराखण्ड सिंधु: सलिल सलील, वृश्चिकवहि जनकात्मजाया: आदाय तेनव ददाह लंकां, नपामि तं प्राज्ञलिराज्जनेत्यपु

मोजवं मालत तुल्य वेगं जितेन्द्रियं वृद्धिमतो विष्णम् वातात्मजे वानरयूथं मुख्यं, श्रीगम दूतं शरणं प्रवद्ये

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तराखण्ड दर्पण

३० नवम्बर २०२४ ३० नवम्बर २०२४ ३० नवम्बर २०२४ ३० नवम्बर २०२४

वर्ष २५

अंक ३३

पृष्ठ ८

रुद्रपुर(अधमसिंहनगर)

शनिवार

९ नवम्बर २०२४

मूल्य दो रुपया

darpan.rdr@gmail.com

9897427585

UTTARANCHAL DARPARAN

www.uttaranchaldarpan.in

सड़क हादसे रोकने के लिए बनेगी समग्र नीति- धामी

राज्य स्थापना दिवस पर सीएम ने की कई अहम घोषणाएं, युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए बनेगी विशिष्ट युवा नीति

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड का 25 वां स्थापना दिवस प्रदेश भर में धूमधाम से मनाया गया। हालांकि मरचूला बस हादसे के चलते स्थापना दिवस के कई कार्यक्रम स्थगित कर दिये गये। राजधानी में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन देहरादून पुलिस लाइन में हुआ। राज्यपाल गुरुमीत सिंह कार्यक्रम में बौतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और उन्होंने परेड की सलामी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली हस्तियों को उत्तराखण्ड गौरव सम्मान से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कच्चही देहरादून में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर उत्तराखण्ड सर्वान्न आंदोलन के शहीदों को भी श्रद्धांजलि दी। राज्य स्थापना दिवस



उत्तराखण्ड के जो खिलाड़ी मेडल जीतेंगे, उनकों पुरस्कार हेतु नियत धनराशि के बराबर की धनराशि राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त रूप से प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड से बाहर देश के दूसरे राज्यों में रहने वाले प्रवासियों के लिए प्रतिवर्ष नवंबर माह में 'राष्ट्रीय उत्तराखण्डी प्रवासी दिवस' आयोजित किया जायेगा, इसी तरह प्रतिवर्ष जनवरी माह में विदेशों में रहने वाले प्रवासी उत्तराखण्डियों के लिए 'अन्तर्राष्ट्रीय उत्तराखण्डी प्रवासी दिवस' का आयोजन किया जाएगा। सड़कों की युग्मवता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कान्टैकर एवं अभियन्ताओं का उत्तराखण्ड निधरित करने के लिए विशेष प्रक्रिया बनाई जाएगी। महिलाओं को प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की देख भाल हेतु

पीएम मोदी ने उत्तराखण्ड के लिये किये नौ आग्रह

नई दिल्ली/देहरादून। राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीड़ियों संदेश जारी किया। प्रदेशवासियों को शुभकानाएं देने के साथ ही उन्होंने आज नौ नवंबर को नौ आग्रह किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखण्ड में विकास का महायज्ञ चल रहा है। आज मैं नौ आग्रह कर रहा हूं, जिसमें पांच आग्रह उत्तराखण्ड के लोगों से और चार आग्रह पर्यटकों से हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखण्ड जिस सपने के साथ बना उसे साकार किया जा रहा है। मैंने बाबा केदारनाथ के चरणों में बैठकर कहा था कि ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है। (शेष पृष्ठ सात पर)

धामी ने अपने संबोधन की शुरुआत राज्य बिहारी वाजपेयी को भी याद करते हुए स्थापना दिवस शुभकानाएं देने के साथ ही गत दिनों अल्पोड़ा जिले में हुई बस में ही उत्तराखण्ड राज्य की स्थापना का



पर सीएम धामी ने पुलिस लाईन में जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आयोजित कार्यक्रम में कई अहम घोषणाएं जाने की दशा में यातायात को तुरन्त

के सर्वांगीण विकास के लिए एक विशिष्ट 'युवा नीति' भी बनाई जाएगी। इसी तरह आगामी राष्ट्रीय खेलों में

'मुख्यमंत्री जच्चा-बच्चा प्रोत्साहन सहायता' प्रदान करने के लिए कार्यवाही अपूर्त करने के साथ की। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रारंभ की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

दुर्घटना में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अपूर्त करने के साथ की। मुख्यमंत्री ने नेतृत्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल सपना साकार हुआ और अब उत्तराखण्ड राज्य आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का एक (शेष पृष्ठ सात पर)

स्थापना दिवस पर सरकार के खिलाफ गरजे बेरोजगार

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की थी पति की हत्या, दोनों गिरफ्तार

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्य स्थापना दिवस पर बेरोजगार संघ ने राजधानी में जोरदार प्रदर्शन करते हुए सीएम आवास कूच किया। सैकड़ों की संख्या में युवा राजधानी के गांधी पार्क में एकत्रित हुए। यहां से युवाओं की भीड़ ने सीएम आवास कूच के लिए हुंकार भरी। इस दौरान प्रदर्शनकारी युवाओं को रोकने के लिए भारी पुलिस भी तैनात रहा। प्रदर्शनकारी युवाओं ने कहा, पिछली भर्ती में सरकार ने आश्वासन दिया था कि आगामी भर्ती में आयु सीमा में छूट दी जाएगी। लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। इससे युवाओं में भारी



कि प्रदेश के डीजीपी अभिनव कुमार के आश्वासन का सम्मान करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

कालोनी बाबरखेड़ा थाना कुण्डा में एक व्यक्ति अपने कमरे में मृत अवस्था में मिला है। उनके नाक से खून निकल रहा है।

है शायद उनका मर्ड हुआ है। सूचना पर

प्रभारी निरीक्षक थाना कुण्डा मय पुलिस टीम के मौके पर (शेष पृष्ठ सात पर)

रोप है। युवाओं ने चेतावनी देते हुए कहा,

कि प्रदेश के डीजीपी अभिनव कुमार के आश्वासन का सम्मान करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

है शायद उनका मर्ड हुआ है। सूचना पर

प्रभारी निरीक्षक थाना कुण्डा मय पुलिस टीम के मौके पर (शेष पृष्ठ सात पर)

कि प्रदेश के डीजीपी अभिनव कुमार के आश्वासन का सम्मान करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

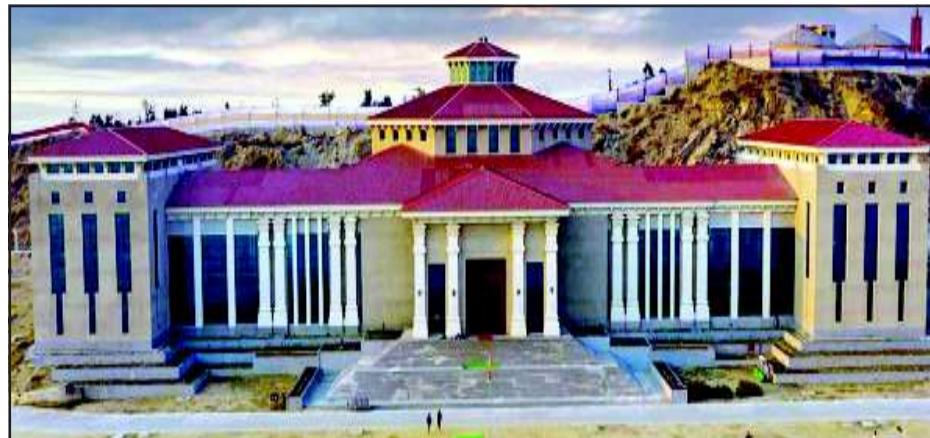
किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने आठ नवंबर तक कोई धरना और प्रदर्शन नहीं किया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

किए गए एक व्यक्ति को लेकिन वे बैठकर करते हुए उन्होंने

‘गैरसौण’ का सपना आखिर कब होगा साफ़?

राज्य गठन के चौबीस साल बाद भी पहाड़ की स्थायी राजधानी गैरसेंण का मुद्रा अधर में लटका

देहरादून (उद्यूरो)। देवभूमि
उत्तराखण्ड राज्य आज अपने स्थापना
दिवस के 24 साल पूरे कर चुका है।
लेकिन आज भी राज्य की स्थायी राजधानी
नी का सबसे प्रमुख सवाल ज्यों का त्यों
ही बना हुआ है। पहाड़ों के डानों कानों
से लेकर भाभर तराई तक हर व्यक्ति
गैरसैण को राजधानी बनते देखना चाहता
है। गैरसैण के लिए देखे गए इस सपने
को साकर करने के लिए पिछले कई
सालों में कमेटियां बनी, आंदोलन हुए
और सरकारों ने आश्वासन भी दिए
लेकिन सब का रिजल्ट शून्य ही रहा।
गैरसैण को स्थायी राजधानी बनाने की



हमारा राज्य बना था। 1. गैरसैंण राजधानी के लिए सबसे उपयुक्त जगह गैरसैंण इसलिए है क्योंकि ये कुमांऊँ और गढ़वाल दोनों मंडलों का केंद्र है। जिस वजह से दोनों तरफ के लोगों के लिए यहाँ आना-जाना आसान है। 2. उत्तराखण्ड के बीचों-बीच में हाने की वजह से गैरसैंण में स्थानीय तौर पर गढ़वाली और कुमाऊंनी दोनों ही बोलियां बोली जाती हैं और यहाँ दोनों ही संस्कृति का समावेश भी है। 3. गैरसैंण निर्विवादित रूप से स्थानीय राजधानी के लिए पहाड़ियों की पहली पसंद था। इस वजह से गैरसैंण को जनभावनाओं की राजधानी भी कहा जाने लगा। 1960 के दौर में उस वक्त उत्तराखण्ड प्रदेश सरकार में भाजपा के पर्वतीय विकास मंत्री के पद पर डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' तैनात थे। उनकी अगुवाई सात कैबिनेट मंत्री गैरसैंण पहुंचे और वहाँ शिलान्यास के तीन सरकारी पट्टर लगा कर आए। इसके बाद साल 1992 में उत्तराखण्ड क्रांति दल ने गैरसैंण को प्रस्तावित उत्तराखण्ड राज्य की राजधानी घोषित किया गया। यही नहीं साल 1994 में उत्तराखण्ड क्रांति दल ने गैरसैंण को राजधानी बनाने के अपने संकल्प के

मजबूती देने के लिए एक बड़ी "इंट-गारा रैली" का आयोजन किया। लेकिन कुछ ही दिनों बाद वहाँ लाई गई ईंटें और रोड़ी गायब हो गईं। इसके साथ ही इस दौरान 157 दिनों का क्रमिक अनशन भी किया गया था। चार जनवरी 1994 को तत्कालीन उत्तरप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में अलग उत्तराखण्ड राज्य के हर पहलू पर विचार करने के लिए नगर विकास मंत्री रमाशंकर कौशिक की अध्यक्षता में कौशिक कमेटी बनाई गई। इस कमेटी ने 5 बैठकों के बाद 13 सुझावों के साथ 68 पन्नों की एक रिपोर्ट तैयार की। 12 जनवरी 1994 को लखनऊ में इस समिति की पहली बैठक हुई। इसके बाद 30-31 जनवरी को दूसरी बैठक अल्मोड़ा में की गई। 7-8 फरवरी को तीसरी बैठक पौड़ी में, 17 फरवरी को चौथी काशीपुर में और 15 मार्च को पांचवीं बैठक लखनऊ में हुई। कौशिक कमेटी ने पूरे उत्तराखण्ड का भ्रमण किया और 30 अप्रैल 1994 को अपनी रिपोर्ट जमा कर दी। 9 नवंबर, 2000 को उत्तरांचल का हुआ गठन : कौशिक समिति कि सिफारिशों के एक हिस्से को स्वीकार करते हुए 9 नवंबर, 2000 को उत्तरांचल के नाम से एक नए पर्वतीय

राज्य का गठन हुआ। लेकिन राजधानी का सवाल राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया। फिर केंद्र सरकार ने उत्तराखण्ड के पहाड़ मुख्यमंत्री को रूप में हरियाणा के नित्यानंद स्वामी को कार्यभार सौंपा और अस्थार्थी राजधानी देहरादून बना दी। अब एक तरफ प्रदेश वासियों के मन में अलग राज्य बनने की खुशी तो थी तो वहाँ दूसरी ओर उत्तराखण्ड का नाम उत्तराचल और देहरादून को अस्थार्थी राजधानी बनाने का गम भी था। जिसके लिए पृथक राज्य बनने के बाद भी प्रदेश में आदोलन हो रहे और कई रैलियां निकाली गईं। बाबा मोहन उत्तराखण्डी ने तो राजधानी के लिए 13 बार अमरण अनशन किया और अपनी जान भी गंवा दी। स्थायी राजधानी की समस्या को सुलझाने के लिए नित्यानंद स्वामी ने एक आयोग का गठन किया। 11 जनवरी 2001 को स्थायी राजधानी तय करने के लिए एक सदस्य आयोग बनाया गया और जन विरोध व चलते इसे भांग भी कर दिया गया। नवंबर 2002 में इस आयोग एक बार फिर सक्रिय किया गया। एक फरवरी 2003 को रनेजपबम अपतमद कपो.पज न आयोग का कार्यभार संभाला। इस कमेटी

ने अपनी रिपोर्ट तैयार करने में सालों का समय लगा दिया। कमेटी ने तीन चरणों में अपनी रिपोर्ट दी लेकिन इसके बाद जूदू गैरसैंण स्थायी राजधानी नहीं बन पाई। बता दें कि गैरसैंण को भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के साथ-साथ फ्रांस के टाउन प्लानर ने भी राजधानी के लिए उपयुक्त बताया था। लेकिन सरकारों ने देहरादून में जिस स्तर पर निर्माण करवाना शुरू कर दिया था। वो भी तब जब स्थायी राजधानी डिसाइड की ही जा रही थी। उससे ये साफ था कि सरकार देहरादून को ही राजधानी बनाना चाहती है। हालांकि पक्ष और विपक्ष गैरसैंण को राजधानी बनाने का राग जरूर अलाप रहा था। लेकिन मुख्यमंत्री आवास, मंत्री आवास, विधायक ट्रांजिट हॉस्टल, राजभवन और सचिवालय का निर्माण इसकी गंभीरता को प्रदर्शित कर रहा था। इसके बाद सरकारों ने जनता को खुश करने के लिए गैरसैंण में छुट्टुमुट्ट काम करने शुरू कर दिए। कौशिक कमेटी ने राज्य गठन के लिए दी थी ये सिफारिशें :- 1. उत्तराखण्ड राज्य का गठन आठ पहाड़ी जिलों उत्तरकाशी, देहरादून, ठिहरी, चमोली, पौढ़ी, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा और नैनीताल को मिलाकर किया जाना चाहिए। 2. इस कमेटी ने एक समिति बनाकर राजधानी तय करने की बात कही। 3. कमेटी ने कहा प्रस्तावित पर्वतीय राज्य की राजधानी पर्वतीय क्षेत्र में केंद्रीय स्थल पर बननी चाहिए। जहां से उत्तराखण्ड के अलग-अलग जगहों पर पहुंचना आसान हो। 4. इसके साथ ही इसमें हिमालय के नैसर्गिक और सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण के अनुरूप राजधानी बनाने की बात भी की गई। 5. इस कमेटी ने बताया की उत्तराखण्ड के 68 फिसली लोग गैरसैंण को राजधानी बनाना चाहते हैं। 6.

हिमाचल मॉडल की तर्ज पर अलग राज्य बनाया जाना चाहिए। 7. नए प्रदेश में चकवंदी और भूमि बंदोबस्त किया जाना चाहिए। अपनी इस रिपोर्ट में कौशिक समिति ने कई अन्य सिफारिशें भी की थी। 21 जून को कौशिक समिति कि सिफारिशों के एक हिस्से को स्वीकार कर लिया गया। 4 मार्च 2020 को गैरसैण ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित हुई : उत्तराखण्ड की मौजूदा ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण के मुद्रे पर स्थिती दाव खेलने का काम हर सरकार ने किया है। 3 नवंबर 2012 को मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने गैरसैण में विधानसभा भवन बनाने की घोषण की। 9 नवंबर 2013 को गैरसैण के भराडीसैण में विधानसभा भवन का भूमि पूजन किया गया। 9 से 12 जून 2013 में टेंटों में विधानसभा सत्र का आयोजन किया गया। नवंबर 2015 में भी यहां विधानसभा सत्र हुआ। 2017 में विधानसभा सत्र नवनिर्मित विधानसभा भवन में हुआ। जिसके बाद साल 2018 में यहां पहला बजट सत्र किया गया। इसके साथ ही 2020 में भी यहां बजट सत्र हुआ। 4 मार्च 2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बजट सत्र के दौरान गैरसैण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर दिया। आठ जून 2020 को इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई। उत्तराखण्ड वासी इससे खुश तो हुए लेकिन संतुष्ट नहीं। 5 मार्च 2021 को तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने गैरसैण को मंडल बना दिया। हालांकि इस फैसले को बाद में वापस ले लिया गया। राज्य की स्थायी राजधानी का सवाल आज भी अधर में है। दिक्षित समिति की रिपोर्ट आज पड़े-पड़े धूल फांक रही है और जनता अभी भी उस दिन का इंतजार कर रही है जब उनके सपनों की राजधानी पहाड़ों में आकार लगेगी।

एसएसपी ने 28 उपनिरीक्षकों के किये तबादले

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।
एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने जिले की
कानून व्यवस्था में बड़ा फेरबदल करते



हुए 28 उपनिरीक्षकों के तबादले किये हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी ने थाना पुलाभट्टा से उपनिरीक्षक रविद्वयन

बिष्ट को प्रभारी एसओजी काशीपुर पुलिस लाईन से उपनिरीक्षक प्रदीप मिश्रा को थानाध्यक्ष पुलभट्टा, बाजपुर से प्रहलाद सिंह को पुलिस लाईन रूद्रपुर, पुलिस लाईन से गिरीश आयो को कोतवाली काशीपुर, पुलिस लाईन से अनिल मेहता को थाना पंतनगर पुलिस लाईन से उपनिरीक्षक मनोज जोशी को थाना नानकमत्ता, पुलिस लाईन से दीपक बिष्ट को कोतवाली बाजपुर, पुलिस लाईन से दीपक बहुगुणा को कोतवाली रूद्रपुर, पुलिस लाईन से जीवन सिंह अधिकारी को कोतवाली रूद्रपुर, थाना ट्रॉफिट कैम्प से विकम धर्मी को वरिष्ठ उपनिरीक्षक कोतवाली सितारगंज, रम्पुरा चौकी से नवीन बुध

नीं को वरिष्ठ उपनिरीक्षक कोतवाली रुदपुर, जसपुर से उपनिरीक्षक जावेद मलिक को वरिष्ठ उपनिरीक्षक कोतवाली जसपुर, लालपुर चौकी प्रभारी भूपेन्द्र रंसवाल को कोतवाली खटीमा, एसओजी रुदपुर से सुरेन्द्र रिंगवाल को चौकी प्रभारी लालपुर, कोतवाली जसपुर से सौरभ भारती को चौकी प्रभारी प्रतापपुर, महिला उपनिरीक्षक नीमा बोहरा को प्रभारी चौकी प्रतापपुर से कोतवाली काशीपुर, थाना नानकमत्ता से अशोक काण्डपाल को प्रभारी चौकी बरहेनी, नरेश मेहरा को पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी बेरिया दौलत केलांखेड़ा, मनोज धौनी को प्रभारी चौकी सूर्या से थाना ट्रांजिट कैम्प, प्रभारी चौकी आवास

विकास रूद्धपुर से अरविंद बहुमुणा का प्रभारी चौकी सूर्या काशीपुर, कोतवाली रूद्धपुर से सुनील सुतेडी को प्रभारी चौकी टांडा उज्जैन, देवेन्द्र मेहता को प्रभारी चौकी बेरिया दौलत से कोतवाली रूद्धपुर गणेश भट्ट को ट्रांजिट कैम्प थाने से प्रभारी चौकी रम्पुरा, एसओजी प्रभारी काशीपुर प्रकाश चन्द्र आर्या को प्रभारी चौकी आवास विकास रूद्धपुर, चौकी प्रभारी चक्रपुर खटीमा प्रियंशु जोशी को कोतवाली रूद्धपुर, कोतवाली रूद्धपुर से विकास कुमार को प्रभारी चौकी चक्रपुर, प्रभारी चौकी दरऊ से दीवाना सिंह को एसओजी रूद्धपुर और प्रभारी चौकी सत्र मील खटीमा ललित बिट्ट कोतवाली रूद्धपुर स्थानांतरित किया है।

हल्द्वानी में 16 तक रोजाना साढ़े पाँच घंटे होगी बिजली कटौती

हल्द्वानी। कालाढूंगी रोड चौराहा बिजलीघर से जुड़े फीडरों में विद्युतीकरण कार्य के चलते 16 नवंबर तक रोजाना साढ़े पाँच घंटे बिजली गुल रहेगी। शुक्रवार से इसका क्रम शुरू हो गया है। पहले दिन ब्राह्मपुरा व सरस मार्केट वाले क्षेत्र में आपूर्ति बाधि त रही। इससे करीब दो हजार उपभोक्ता प्रभावित हुए। इधर टीपीनगर बिजलीघर के देवलचौड़ी फीडर में रामपुर रोड क्षेत्र में 11 केवी लाइन की गार्डिंग कार्य के चलते दो घंटे बिजली टप रही। बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से सड़क से क्रॉस कर रहे तारों को सुरक्षित करने के लिए काम कराया गया। विद्युत वितरण खंड शहर के अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार ने बताया कि बिजलीघर से जुड़े बाजार क्षेत्र वाले फीडर में पुरानी केबल को बदलकर एक्सएलपीई केबल लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा सड़क चौड़ीकरण के महेनजर नई विद्युत लाइनों के नीचे गार्डिंग का कार्य भी किया जाना है। इसके चलते शुक्रवार से आठ दिन तक लगातार कालाढूंगी रोड चौराहा बिजलीघर के स्टेशन रोड फीडर, आजादनगर, नैनीताल रोड, गांधीनगर, कालाढूंगी रोड, बाजार क्षेत्र के फीडर से जुड़े क्षेत्रों में विद्युतीकरण के कार्य किये जाएंगे। इसके चलते सुबह 9:30 बजे से अपराह्न तीन बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

वृद्धा आश्रम एवं राजकीय बालिका आश्रम पहुंचकर डीएम ने बालिकाओं एवं बुजुर्गों से की मुलाकात

बागेश्वर (उद संवाददाता)। राज्य स्थापना दिवस के पूर्व दिवस जिलाधिकारी आशीष भटगाई वृद्धा आश्रम एवं राजकीय बालिका आश्रम पद्धति नीलेश्वर पहुंचे। डीएम ने बालिकाओं एवं बुजुर्गों से भेट की और उनका हालचाल जाना। डीएम को अपने बीच देखकर बालिकाएं व बुजुर्ग बेहद खुश नजर आए। डीएम ने वृद्धा आश्रम में बुजुर्गों एवं आश्रम पद्धति में बालिकाओं को फल एवं अन्य सामग्री वितरित की। जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि आश्रम में रहे रहें बुजुर्गों किसी भी चीज की परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी शुकवार को वृद्धा आश्रम पहुंचे उन्होंने निर्देश दिए कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान देने के साथ ही आश्रम में स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि



गर्गे एवं श्रम व आवासीय विद्यालय की नए गर्गे जानकारी दी। बताया कि यहां पर नियमित रूप से चिकित्सकीय सुविधा ताकि प्रदान की जाती है। निरीक्षण के दौरान सीडीओ आरसी तिवारी, एडीएम एनएस नवियाल जिला सूचना समाज अधिकारी सुरेश कुमार आदि मौजूद थे। उसका वृद्ध समाज ने वृद्ध

परिवहन विभाग ने 150 वाहनों के चालान करकिए 6 वाहन किए सीज

हल्द्वानी (उद संवाददाता) दुर्घटनाओं एवं अनधिकृत संचालन के रोकने के द्रष्टव्यत परिवहन विभाग द्वारा प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही कर द्वारा परिवहन अधिकारियों द्वारा पर्वतीय मार्गों पर दो दिवस में कुल 150 वाहनों के चालान किए। इसके साथ ही बस-ट्रक मैक्सी सही 6 वाहनों को सीज़ किया। हल्द्वानी - खैरना मार्ग पर परिवहन कर अधिकारी आशुतोष डिमरी, हल्द्वानी क्षेत्र में सहायता संभागीय अधिकारी जितेंद्र, रामनगर-मोहन - सल्ट मार्ग पर परिवहन के अधिकारी जगदीश चंद्र के द्वारा चेकिंग अधियान संचालित किया गया। प्रवर्तन कार्यवाई बस, ट्रक टैक्सी, मैक्सी, और आदि वाहनों विरुद्ध की गई। इसके साथ ही वाहनों के फिटनेस एवं परमिट के निलंबन



की संतुति भी की गई। प्रवर्तन करवाई यात्री एवं भार वाहनों में ओवरलोडिंग, हेलमेट, सीट बेल्ट, यूनिफॉर्म, यांत्रिक स्थिति, कर, परमिट व पंजीयन शर्तों का उल्लंघन, चालक लाइसेंस आदि के अभियोग में की गयी। इस दौरान सहायक उप निरीक्षक नंदन रावत, चंदन सुप्याल, गिरीश कांडपाल, अनिल कार्की, अरविन्द हयंकी आदि उपस्थित रहे।



उत्तराखण्ड शासन



रुक्षपत्रांडिवर 9 नवम्बर

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दर्शक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर लिह धारी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

“ 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दराक उत्तराखण्ड का दराक होगा। ”

नटेन्ड्र मोदी
प्रधानमंत्री

की टाटिक द्युआकामनाएं





- नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैकिंग में उत्तराखण्ड देरा में प्रथम स्थान पर
- नकल विरोधी कानून का असर, तीन साल में रिकार्ड 17,500 से अधिक सरकारी रोजगार, आगे की भर्ती प्रक्रिया गतिमान
- राज्य आन्दोलनकारियों के लिए सरकारी सेवा में 10% क्षेत्रिज आरक्षण
- पिछले 20 माह में जी एस ई पी में 1.3 गुना वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय में पिछले 2 वर्षों में 26 प्रतिशत बढ़ोत्तरी
- हाउस ऑफ हिमालयाज़ उत्तराखण्ड के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने की मजबूत पहल
- नई फिल्म नीति के तहत उत्तराखण्ड की कुमाऊँनी, गढ़वाली, जौनसारी आदि क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को कुल लागत का 50% अथवा 2 करोड़ तक सम्बिंदी
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षेत्रिज आरक्षण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) नीति के माध्यम से ओद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ल. 200 करोड़ के बैंचर फण्ड की स्थापना
- प्राच्याचार की शिकायत हेतु 1064 एप तथा 1905 सी.एम. हेल्पलाइन को-ऑपरेटिव बैंकों तथा सहकारी समितियों में महिलाओं के लिये 33% आरक्षण
- दीन दयाल उपाध्याय होम-स्टे योजना, राज्य में 5000 से अधिक होम-स्टे पंजीकृत
- उत्तराखण्ड राज्य के शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि को कई गुना बढ़ाते हुए 50 लाख तक किया गया तथा एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान



देवभूमि उत्तराखण्ड उत्तराखण्ड

9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

निवेशकों की पहली पठंद बनता

उत्तराखण्ड

अन्यायिक व्यावाहरण

निवेश अनुदूषण नीतियां

अच्छी कानून व्यवस्था

बेहतर कौन्त्रित्विती



ExploreUttarakhand
©DIPR_UK

उत्तरांचल दर्पण

सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आतंकवाद का माहौल

जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठन सुनियोजित रणनीति के साथ काम करते हैं। मुश्किल है कि कुछ नई परिस्थितियां बनने के बाद जब भी इस समस्या के खत्म होने या उस पर काबू पाने की उम्मीद बंधती है, तो आतंकी कोई न कोई ऐसी हरकत कर देते हैं कि इस पर नए सिरे से काम करने की जरूरत पड़ जाती है। गोरतलब है कि किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाके में आतंकवादियों ने दो ग्राम रक्षा गार्ड की गोली मार कर हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तानी ठिकानों से संचालित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 'कश्मीर टाइगर्स' ने इन हत्याओं की जिम्मेदारी ली है। दरअसल, कश्मीर के हित का दावा करने वाले आतंकी संगठनों का असली मकसद भारत और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का माहौल बनाए रख कर अपने पाकिस्तानी आकाओं के सियासी हित को पूरा करना है। भारत ने इस हकीकत को ध्यान में रखते हुए हर स्तर पर आतंकवाद का खाता करने के लिए अभियान चलाया है। ताजा घटना में बारगूला में सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। अब गृहमंत्री ने जल्दी आतंक-नियंत्रण का राष्ट्रीय नीति लाने की बात कही है। पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग जिलों में सुरक्षा बलों या अप्रवासी मजदूरों पर लक्षित हमलों के जरिए चुनौती दी जा रही है। खासकर जम्मू-कश्मीर में सरकार बनने के बाद ऐसी घटनाओं में तेजी आई है। साफ है कि ऐसे लागतार हमलों के पीछे इससे उपजी हताशा काम कर रही है कि आतंकवाद की सियासत के बावजूद जम्मू-कश्मीर के लोगों की शांति की इच्छा और उसके लिए सक्रियता को कम नहीं किया जा सका है। इसका उदाहरण वहां हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद गठित सरकार है, जिसमें वहां के आम लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। आतंकवाद को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने वाले संगठनों और उनके पीछे खड़ी ताकतों के लिए यह निश्चित रूप से परेशान करने वाली बात थी। अब स्पष्ट है कि आतंकी हमलों में आम लोगों की जिस तरह हत्याएं की जा रही हैं, वह उसी से उपजी हताशा का नहीं जाएगा।

उत्तराखण्ड की युवा शक्ति हमारे विकास की धरी: राज्यपाल

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेप्टोपनेट जनरल ग्रुप्पीत सिंह (से नि) ने प्रेदेशवासियों को उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य निर्माण आंदोलन के सभी ज्ञात-अज्ञात अमर शहीदों और



परंपरा और जनहित की नीतियों का सामंजस्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन को साकार करने की दिशा में एवं 21वीं शताब्दी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने की योग्यता में यह वर्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आगे हम अपने देश के मानविक तौर पर नए सिरे से देखें तो उत्तराखण्ड भारत के हृष्य के समान नजर आता है। अनादिकाल से हिमालय और उत्तराखण्ड पूरे विश्व के लिए अध्यात्म और दिव्यता से परिपूर्ण रक्तरूपी ऊर्जा का संचार करता रहा है, तो ऐसे में हमारे प्रदेश को भारत का हृष्य से विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं। आज प्रदेश के विकास की प्राथमिकताएँ और चुनौतियां दोनों ही हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की युवा शक्ति हमारे विकास की धरी है। उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान करना, उद्यमिता को बढ़ावा देना, और स्वरोजगार की संभावनाओं को विकसित करना हमारी प्राथमिकता है। राज्य में तकनीकी संस्थान, कौशल विकास केंद्र और स्टार्टअप के अनुकूल वातावरण बनाकर हमें युवाओं को प्रोत्साहित करना है। सरकार ने नौकरियों में भी युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस पहल की है। वर्तमान परिवृत्त्य को ध्यान में रखते हुए हमें नवीन तकनीकों के क्षेत्र में भी अपनी बढ़त बनाते हुए, विश्व में अग्रणी बनने के प्रयास सुनिश्चित करने चाहिए। उन्होंने कहा कि

उत्तराखण्ड के सामाजिक-आर्थिक परिवृत्त्य में महिलाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हमारे राज्य के समग्र विकास के लिए महिलाओं का सशक्तीकरण आवश्यक है। महिलाओं की भागीदारी को मुख्यधारा से जोड़ कर ही हम महिलाओं के साथ-साथ सर्व समाज की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। सरकार ने निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ावा देने और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए अध्यात्म और दिव्यता से परिपूर्ण रक्तरूपी ऊर्जा का संचार करता रहा है, जो सराहनीय है। सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत और सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण जैसी पहल लैंगिक समानता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश को समृद्ध उत्तराखण्ड बनाने का हमारा स्वप्न तभी साकार होगा जब समाज के हर तबके के विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। महिला संशक्तीकरण, सामाजिक न्याय और जनजातीय समुदायों की उन्नति के लिए विशेष योजनाएँ बनाकर इसके लाभ को अंत्योदय तक सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। हम उत्तराखण्ड के इस 25वें वर्ष को विकास की एक सकारात्मक और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ोगे। हमें अपने राज्य के हर नागरिक को विकास की इस योग्यता में सहभागी बनाना है, ताकि उत्तराखण्ड को 'सर्वश्रेष्ठ राज्य' बनाने का लक्ष्य पूरा हो सके। आइए! हम सब मिलकर उत्तराखण्ड की इस नई सुबह का स्वागत करें और इसे 'स्वर्णिम उत्तराखण्ड' बनाने का संकल्प लें।

स्थापना दिवस पर राज्य आंदोलनकारियों को किया सम्मानित

कि च्छा / सितरगंज (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी ने साथ मनाया गया। इस दौरान राज्य सभी उपस्थित आंदोलनकारियों एवं

वरिष्ठ आंदोलनकारी नारायण सिंह बिष्ट, दीवान सिंह बिष्ट, हरीश चंद्र पंत, कमलेंद्र, सुरेश पपनेजा, दिवेश भाटिया, विवेक सक्सेना ने भी उपस्थित लोगों को हैं। इसलिए राज्य निर्माण आंदोलन कारियों का दायित्व बनता है कि वह आम नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के लिए उत्तराखण्ड राज्य देश में ही नहीं नहीं हुआ उसके लिए राज निर्माण आंदोलनकारियों को पुनः सक्रिय होकर शहीदों के सपनों का उत्तराखण्ड राज्य कर्मचारी तथा नागरिकों को उत्तराखण्ड राज्य निर्माण की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी ने साथ मनाया गया। इस दौरान राज्य सभी उपस्थित आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित आंदोलनकारियों ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद अभी आंदोलन कार्यों के सपनों का राज्य बनकर तैयार नहीं हुआ तो उसके लिए राज निर्माण आंदोलनकारियों को पुनः सक्रिय होकर शहीदों के सपनों का उत्तराखण्ड राज्य कर्मचारी तथा नागरिकों को उत्तराखण्ड राज्य के विकास में शासन प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने यह भी कहा कि राज्य आंदोलनकारी अपने आसपास के पथ पर अग्रसर है तथा आने वाले समय में उत्तराखण्ड राज्य देश में ही नहीं बल्कि विश्व पर्यटन पर अपनी अलग शहीदों के सपनों का उत्तराखण्ड राज्य

कर्मचारी तथा नागरिकों को उत्तराखण्ड राज्य निर्माण की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आज निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है तथा आने वाले समय में उत्तराखण्ड राज्य देश में ही नहीं आंदोलनकारियों को पुनः सक्रिय होकर शहीदों के सपनों का उत्तराखण्ड राज्य कर्मचारी तथा नागरिकों को उत्तराखण्ड राज्य के विकास में शासन प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आज निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है तथा आने वाले समय में उत्तराखण्ड राज्य देश में ही नहीं आंदोलनकारियों को पुनः सक्रिय होकर शहीदों के सपनों का उत्तराखण्ड राज्य

संबोधित किया तथा राज्य के विकास में शासन प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने यह भी कहा कि राज्य आंदोलनकारी अपने आसपास के पथ पर अग्रसर है तथा आने वाले समय में उत्तराखण्ड राज्य देश में ही नहीं आंदोलनकारियों को पुनः सक्रिय होकर शहीदों के सपनों का उत्तराखण्ड राज्य कर्मचारी तथा नागरिकों की अवधित उत्तराखण्ड राज्य निर्माण की 24 वीं वर्षगांठ पर तहसील प्रशासन ने राज्य आंदोलन कारियों को सम्मानित किया। शनिवार को तहसील में हुये सादा समारोह में रजिस्ट्रार कानूनगांगे अकरम अली, मुकुल शांताकारी, ने वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी नौकरी को अनुकूल सकरें और स्टार्टअप के अनुकूल वातावरण बनाकर हमें युवाओं को अप्रोत्साहित करना है। सरकार ने नौकरियों में भी युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस पहल की है। वर्तमान परिवृत्त्य को ध्यान में रखते हुए हमें नवीन तकनीकों के क्षेत्र में भी अपनी बढ़त बनाते हुए, विश्व में अग्रणी बनने के प्रयास सुनिश्चित करने चाहिए। उन्होंने कहा कि

स्विगी इस्टामार्ट और फार्माईजी की संभावित साझेदारी पर जताई चिंता

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। स्विगी इस्टामार्ट और फार्माईजी की संभावित साझेदारी पर एर्डाईओसीडी द्वारा दी गई चिंता है कि यह कदम भारतीय कानून के तहत निर्धारित मानकों के खिलाफ है और इसकी विवरणीय विवरणीय विवर

दर्जनों लोगों ने ली आप पार्टी की सदस्यता एंटी रोमियो अभियान में 69 लोग दबोचे

गदरपुर(उद संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एस एस कलेर के दिशा निर्देश में आम आदमी पार्टी के नगर अध्यक्ष शकील अहमद के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली। शुक्रवार को नगर के एक मैरिज हॉल में सदस्यता अभियान में मौजूद आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एस कलेर के दिशा निर्देश में नगर अध्यक्ष शकील अहमद के नेतृत्व में कथ्यम अली व सीतीश को दर्जनों लोगों के साथ आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान मौजूद प्रदेश अध्यक्ष एस एस कलेर ने शकील अहमद की पीठ थपथपाई और नए कार्यकर्ताओं को बधाई दी। कलेर ने कहा कि गदरपुर विधानसभा से आम आदमी पार्टी संगठन को मजबूती मिली है और आने वाले चुनाव में आम आदमी



दर्शाता है लोग पार्टी के विचारों और नीतियों से प्रभावित होकर भविष्य में कहा कि गदरपुर विधानसभा से आम आदमी पार्टी संगठन को मजबूती मिली है और आने वाले चुनाव में आम आदमी

प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान बंगली समाज मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष व्यापारी, जिला अध्यक्ष जनर्दन सिंह, काशीपुर महानगर

प्रकाश चंद्र ने बताया कि पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त रूप से एक बार फिर एंटी रोमियो अभियान के तहत नशेड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 69 लोगों को हिरासत में ले लिया। एक स्कॉर्पियो कार और पांच बाइकों को सीज करने की कार्रवाई भी की गयी। अभियान अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश चंद्र आर्य के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान में तहसीलदार कुलदीप पांडे, सीओ रमनगर भूपेंद्र सिंह भंडारी, सीओ भवाती सुमित पांडे, कोतवाल अरुण कुमार सैनी, वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस व मनोज नयाल के अलावा थाना काठगोदाम, बन भूलपुर, कालाहूंगी के थानाध्यक्षों के साथ ही भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अभियान ग्राम टेडा रोड, गरीखेत रोड, कोसी बैराज एवं ग्राम पूछड़ी क्षेत्र में चलाया गया। अपर पुलिस अधीक्षक

का मेडिकल करने की कार्रवाई की गई तथा 6 लोगों को कोतवाली लाकर बताया कि अभियान के तहत 69 लोगों चेतावनी देकर छोड़ा गया। उन्होंने बताया को पुलिस टीमों द्वारा अलग-अलग स्थान कि सभी के खिलाफ 81 पुलिस एक्ट



से पकड़ा गया। इन सभी को राजकीय महाविद्यालय लाने के बाद सभी का कार्रवाई की गई। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मेडिकल एक स्कॉर्पियो और पांच बाइकों को सीज करने का कार्रवाई भी की गयी।

कॉर्बेट पार्क की फर्जी वेबसाइट बनाने वालों की अब खैर नहीं

कॉर्बेट प्रशासन रखेगा नजर, पार्क प्रशासन ने बनाई टास्क फोर्स

रामनगर (उद संवाददाता) विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की फर्जी बुकिंग वेबसाइट बनाकर पर्यटकों से धोखाधड़ी करने वालों की अब खैर नहीं, पार्क प्रशासन ने इन पर नजर रखने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है।

बता दें कि विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में हर वर्ष लाखों की तादाद में पर्यटक देश-विदेश से कॉर्बेट पार्क के जंगलों की जैव विविधता व बन्यजीवों के दीदार के लिए पहुंचते हैं, वहीं पार्क आने वाले पर्यटक अपनी बुकिंग कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की वेबसाइट के जरिए डे सफारी व नाईट स्टे के लिए पार्क की साइट पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग करवाते हैं। कॉर्बेट पार्क में पर्यटकों से फर्जी वेबसाइट के जरिए धोखाधड़ी करने वालों के कई मामले पूर्व

रिजर्व की साइट बनाकर बुकिंग करने वाले पर्यटकों से मोटी रकम वसूल रहे हैं। जानकारी देते हुए कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर डॉक्टर साकेत

इसको देखते हुए टास्क फोर्स का गठन कर इस पर निगरानी रखी जा रही है और ऐसे प्रकरण जो भी सामने आ रहे हैं उनके बुकिंग को कैंसिल कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा

ऐसा कोई भी प्रकरण सामने आएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा अभी तक कई मामलों में जिनमें उनके परमिट्स को हमने पूर्णतया कैंसिल कर उनको फिर से रिलोटेड किया गया, उन्होंने कहा है कि वह प्रकरण जब भी सामने आए उसे पर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि कॉर्बेट पार्क आने वाले पर्यटक डे सफारी और नाईट स्टे के लिए पार्क की पर्याप्त जैव विविधता व बन्यजीवों के दीदार के लिए पहुंचते हैं, वहीं पार्क आने वाले पर्यटक अपनी बुकिंग कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की वेबसाइट के जरिए डे सफारी व नाईट स्टे के लिए पार्क की साइट पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग करवाते हैं।



टास्क फोर्स का गठन किया है, जिसके तहत पार्क प्रशासन की टास्क फोर्स द्वारा लगातार इन वेबसाइटों पर नजर रखी जा रही है जो फर्जी तरीके से कॉर्बेट टाइगर

बड़ोला ने बताया कि पूर्व में कई बार देखा गया है कि फर्जी वेबसाइट बनाकर पर्यटकों से मोटी रकम वसूलने के प्रकरण सामने आए हैं। उन्होंने कहा

। उधर उत्तराखण्ड पर बढ़ते कर्ज के बोझ को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के अपने ही तर्क हैं। उत्तराखण्ड बीजेपी के अनुसार उत्तराखण्ड में बजट का आकार राज्य स्थापना के बाद से कई गुना बढ़ चुका है। इसी तरह राज्य की विकास दर भी राज्य स्थापना के दौरान जो थी, उसके कई गुना आगे बढ़ गई है। ऐसे में उत्तराखण्ड में भारता सरकार कर्ज को कम करने का प्रयास भी कर रही है और राज्य का रेवेन्यू बढ़ाने के भी प्रयास हो रहे हैं। राज्य का कर्ज लेने का जो राष्ट्रीय स्तर पर पर जो औसत डेटा है उससे कम कर्ज उत्तराखण्ड राज्य की तरफ से लिया गया है, जबकि ऐसे कई राज्य हैं, जहाँ उत्तराखण्ड से कई गुना ज्यादा कर्ज राज्य सरकारों द्वारा लिया गया है।

पीएम मोदी ने उत्तराखण्ड..मेरा ये विश्वास अदिग है और सरकार इसे साकार कर रही है। कई मामलों में उत्तराखण्ड देश में नंबर वन है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखण्ड के लोगों से आग्रह किया कि स्थानीय बोलियों का संरक्षण करें अपनी पीड़ियों को सिखायें। प्रकृति और पर्यावरण के प्रमुख उत्तराखण्डवासी हैं ये पूरा देश जानता है।

हर महिला मां नंदा का स्वरूप। एक पेड़ मां के नाम लगाएं। नदी नौलों का संरक्षण करें। अपनी जड़ों से जुड़े रहें। अपने गांव लगातार जाएं और सेवानिवृत्ति के बाद भी। अपने गांव के पुराने घरों जिन्हें आप तिवारी वाले घर कहते हैं। इन्हें भूले नहीं। होम स्टे बनाएं जिससे आय बढ़ेगी। पर्यटकों से अग्रह करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब भी आप पहाड़ों पर घूमें तो स्वच्छता का ध्यान रखें। वोकल फॉर लोकल का ध्यान रखें कम से कम पांच प्रतिशत खर्च स्थानीय प्रोडक्ट पर करें। पहाड़ पर ट्रैफिक नियमों का ध्यान रखें। धार्मिक स्थलों के रीति रिवाजों का ध्यान रखें मर्यादा का ध्यान रखें। पीएम मोदी ने कहा कि इस साल जीएसटी कलेक्शन में उछाल आया। उत्तराखण्ड की प्रति व्यक्ति से दो लाख से ज्यादा हो गई है। स्टेट की जीडीपी भी डेढ़ से तीन लाख करोड़ रुपये हो गई है। ये आंकड़े बताते हैं कि यहां पर उन्नति हो रही है। यहां युवाओं और बेटियों का जीवन आसान हो रहा है। 2024 से पहले पांच प्रतिशत घरों में नल से पानी आता था। लेकिन अब 16 प्रतिशत है। पीएम जीएसटी की सड़कों के छह हजार से किलोमीटर से बढ़ाकर 20 हजार किलोमीटर हो गई है। सरकार विकास के साथ विवासत को भी सहेजती है। केंद्रीय धार्मिक स्थलों में भवित्व निर्माण किया जा रहा है। चारधाम यात्रा को सुगम किया जा रहा है।

स्थापना दिवस पर..डॉजीपी अभिनव कुमार की बीती 30 अक्टूबर को संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात हुई थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि पुलिस भर्ती में आयु सीमा में छूट को लेकर सरकार काम कर रही है। बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बैंबी पंवार ने कहा, मांग पूरी न होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। कहा, आठ सालों में पहली बार पुलिस भर्ती का अवसर आया है। ऐसे में उन युवाओं का क्या गुनाह है जिन्होंने एक बार भी फॉर्म नहीं भरा।

पत्नी ने प्रेमी संग...पूँछे, तथा सूचना देने वाले वेदपाल से जानकारी की गयी तो उसके द्वारा बताया गया कि वह मृतक का बेटा है। उसके पिता जनन निर्माण की गयी है तथा प्रकाश कार्रवाई भी चोटी है।

स्थापना दिवस पर..डॉजीपी अभिनव कुमार की बीती 30 अक्टूबर को संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात हुई थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि पुलिस भर्ती में आयु सीमा में छूट को लेकर सरकार काम कर रही है। बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बैंबी पंवार ने कहा, मांग पूरी न होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। कहा, आठ सालों में पहली बार पुलिस भर्ती का अवसर आया है। ऐसे में उन युवाओं का क्या गुनाह है जिन्होंने एक बार भी फॉर्म नहीं भरा।

उत्तराखण्ड के सिर पर..के साथ आप पर्याप्त हुए ह

ਖੇਤ ਕਵਾਟਰ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਅਥਵਾ ਗੁਰੂ ਕੇ ਬਾਜ਼ ਛੋਡਤਾ ਹੈ..

विराट कवि सम्मेलन में कवियों ने जमाई महफिल, देर रात तक जमे रहे हजारों श्रोता



रुद्रपुर (उद संवादाता)। राज्य स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर अमर शहीदों एवं महापुरुषों की स्मृति में राष्ट्रीय चतेना मंच की ओर से शुकवार को जनता इंटर कालेज में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में कवियों ने देश हास्य व्यंग, वीर रस और श्रृंगार की कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों ने अपनी रचनाओं से वर्तमान राजनीतिक हालातों के साथ ही समाज में व्याप कई बुराईयों पर भी तंज कसे। देर रात तक चली काव्य की महफिल में हजारों लोगों पंडाल में जमे रहने को मजबूर हो गये। कवि सम्मेलन का शुभारम्भ किंच्छा विधायक सम्मेलन के संचालन की कमान मध्य प्रदेश से आये कवि शशिकांत यादव ने संभाली। उन्होंने शुरूआत में कविता तिवारी को सरस्वती वंदना के लिए मंच पर आमंत्रित किया। सरस्वती वंदना के पश्चात कवियों ने एक एक करके अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया कवि सम्मेलन में दिल्ली से आये हास्य व्यंग के कवि सुरेन्द्र शर्मा ने हास्य व्यंग की रचनाओं से श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया अपनी एक कविता उन्होंने कुछ यू सुनाई-आओ एक बार कहें, क्या पता तुम न रहो, क्या पता हम न रहें, मर्दिस

राजनैतिक हालातों पर तंज कसते हुए कहा- जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा, माता जाकी पार्वती पिता महादेवा, जय गणेश जय गणेश.. राहुल को बुद्धि मिले ममता को ममता, योगी को शक्ति मिले धामी को क्षमता, कंगना मुँह बंद रखें करें जनसेवा। हरियाणा के खिच्यात कवि अरुण जैमिनी ने अपनी कविता कुछ यूँ सुनाई- भरत सा भाई लक्ष्मण सा अनुयायी, चूँडी भरी कलाई शादी में शहनाई, बुराई में बुराई, सच में सच्चाई, मंच पर कविताई, गरीब को खोली आंगन में तरंगोली, परोपकारी बंदे, और अर्थी को कंधे ढंगते रह

कीड़े बाहर निकले हैं, चुटकी भर तो सच बोला है। कार्यक्रम का संचालन पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय चत्तना मंच के अध्यक्ष संजय ठुकराल, डीपीपी यादव, मोहित यादव, एम. पी. तिवारी, पिंकू कपूर, चंद्र अरोड़ा, रवि बटला, सतीश अरोड़ा, जे. बी. सिंह, तिलक गंधीर, अभिषेक अग्रवाल, बिट्टू प्रोवर, आनंद बिंदल, हरविंदर सिंह दहरजी, जसविंदर सिंह खरबंदा, ठाकुर जगदीश सिंह, रमेश ढींगरा, राजेंद्र राठी, सुधमा अग्रवाल, विजय अग्रवाल, हरवीर चौधरी, रामसी मौर्य, कैलाश अग्रवाल, राजकुमार खुराना,

सुरेंद्र घ
गुप्ता, ता
अमित चं
सुभाष,
अरोरा, अ
रो हित
राजकुमा
नारायण
बिष्ट, ३
हरिओम
राहुल स
खुराना,
प्रमोद दु
वर्मा, १
सोलंकी

, जॉली ककड़, अर्जुन
चंद अग्रवाल, सुशील गर्ग,
लोहिया, श्रीकर सिन्हा,
गुन, बल्लू, मोहनलाल
निल चौहान, विष्णु बंसल,
बंबर, राजेंद्र सिंह खेरा,
भुसरी, राजेश ग्रोवर, अजय
मुखवतं सिंह, ललित सिंह
कित चंद्रा, सुल्तान सिंह,
रामा, हरेंद्र पाल, बबू विक्क
रीन, सनी खुराना, गौरव
गोनु ठाकुर, नरेंद्र ठकराल,
राल आलोक वर्मा, निर्मल
ननीत सोलंकी, अध्यय
, आनंद शर्मा, अजय

ठुकराल, दीपक ठुकराल, हन्नी
ग्रोवर, उपदेश सक्सेना, बटी कोली, ध
र्मसिंह कोली, दिलीप अधिकारी, विवेक दीप
सिंह, दिनेश भाटिया, पारस अग्रवाल,
आकाश बटला, मुकेश कुमार प्रधान, अकित
बटाला, राजु गुप्ता, राजेश ग्रोवर, अजय
नारायण, आनंद शर्मा, अजय ठुकराल,
ललित बिष्ट, दीपक ठुकराल, अंकित
चंद्रा, हन्नी ग्रोवर, उपदेश सक्सेना,
बंटी कोली, सुल्तान सिंह,
धर्म सिंह कोली, दिलीप अधिकारी,
विवेक दीप सिंह, दिनेश भाटिया, पारस
अग्रवाल, आकाश बटला, मुकेश
कुमार प्रधान, अकित बटाला, राजु
गुप्ता समेत हजारों लोग मौजूदथे।



तिलकराज बेहड़, समाजसेवी डीपी यादव, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिवाकर पाण्डे, तजिन्दर विर्क, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। कवि सम्मेलन की शुरूआत हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। दीप प्रञ्जलित करने के पश्चात दो मिनट का मौन रखकर मरचूला बस हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गयी। कवियों और अभियंत्रियों के स्माप्तके प्रश्नात कवि या मस्जिद की, या किसी इमारत की माटी तो उसमें भारत की लगी लखनऊ से आयी कवियत्री कविता तिवारी ने वीर रस से आते प्रोत काव्य पाठ करते हुए कहा-शक्ति समाहित भुजदंडों से युग की धार मोड़ता है और लेकरके बने स्वयंभू उनका दंभ तोड़ता है॥ सेना का उद्घोष शत्रु दल कान खोलकर सुन लेना। श्वेत कबूतर नहीं देश अब गुरु के बाज छोड़ता है जलतप्पे से आये कृति मटीप भूला दे

जाओगे...। दिल्ली से आये कवि
गजेन्द्र सोलंकी ने बीर रस की कविता
सुनाते हुए कहा- बुजुर्गों की विरासत
की, ध्वजा छुकने नहीं देना।। सनातन
संस्कृति वाली, अगन बुझने नहीं
देना, ये मजहब पंथ के झगड़े, सियासत
जातियों वाली, उलझ कर तुम तरकी
का सफर रुकने नहीं देना। मंच
संचालन कर रहे शशिकांत यादव ने
काव्य पाठ में कहा- तोला से मन भर
तोला है, पग्जग पानी में सोला है, मन

A wide-angle photograph capturing a massive crowd of people in an outdoor setting at night. The scene is filled with people of various ages, mostly men, sitting and standing in what appears to be a public square or a large open area. In the background, there are palm trees and some illuminated structures, possibly part of a roller coaster or a large amusement park attraction. The atmosphere is dense and suggests a significant public gathering.



राज्यस्थापनादिवसपर वृद्धजनोंके बीच पहुंचे डीएम और सीडीओ

वृद्धाश्रम में फल और मिष्ठान बांटकर बुजुर्गों का हाल चाल भी जाना

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। राज्य स्थापना पर जिलाधिकारी उदय राज सिंह ने इस बार नई पहल की। जहाँ एक ओर अधिकारी अपने कार्यालय में स्थापना दिवस मनकर डिश्रिय कर लेते फल व मिठाई भी बांटी। इस दौरान उनके साथ मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी उदय राज सिंह जनपद में कार्यभार प्रगति करने के बाद से ही कठ्ठ अलग

संभव हो पाया है। किछ्छा रोड पर दशकों से जमा हुए कचरे के जिस पहाड़ के हटने की उमीद लोग छोड़ चुके थे उस कचरे के पहाड़ को भी जिलाधि कारी ने अपने हटवाकर क्षेत्रवासियों को

समस्याओं से लोगों को निजात दिलाई है। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के चलते ही उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी शासन से सेवा विस्तार दिया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने इस बार राज्य स्थापना

वृद्धजनों को फल व मिष्ठान वितरित किये एवं वृद्धजनों से संवाद कर उनकी कुशलक्ष्मी में जानी। सामाजिक एवं न्यायिक अधिकारिता मत्रालंब्य भारत सरकार के सौजन्य से जनजगति सेवा

वरिष्ठ जन सेवा सदन 2008 से संचालित किया जा रहा है, वर्तमान में 24 वुद्धजन सदन में निवास कर रह हैं। जिलाधिकारी ने बुद्धाश्रम में सफाई व अन्य व्यवस्थाओं की सराहना की और



हैं वहीं जिलाधिकारी ने राज्य स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर बृद्धाश्रम में पहुंचकर स्थापना दिवस की खुशियां बांटी उन्होंने बुजुर्गों के साथ संवाद करते करते रहे हैं उन्होंने अपनी कार्यशैली से जनपद में अलग छाप छोड़ी है। शहर में दशकों से जिन जटिल समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा था उनका

बड़ी राहत पहुंचायी। किछा रोड पर
कचरे के पहाड़ की जगह आज साफ
सुथरा ग्राउण्ड नजर आ रहा है जो
भविष्य में भी हरे भरे पार्क का रूप
रहे।

दिवस की खुशी को बुजुर्गों के साथ साझा किया। उन्होंने राज्य स्थापना की पूर्व संध्या पर मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार के साथ शान्ति विहार में दोनों

समिति द्वारा संचालित वरिष्ठजन सेवा सदन में पहली बार जिलाधिकारी को देखकर बुर्जुआ उत्साहित नजर आये। इस दौरान जन जागृति सेवा समिति की

प्रशस्ति-पत्र देने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिये। इस अवसर पर तहसीलदार दिनेश कुटौला, समाज कल्याण अधिकारी